आरती श्री कृष्ण जी की

ॐ जय श्री कृष्ण हरे, प्रभु जय श्रीकृष्ण हरे,
भक्तन के दुख सारे पल में दूर करे ।

परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी,
जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी ।

कर कंचन कटि कंचन श्रुति कुण्डल बाला,
मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला ।

दीन सुदामा तारे, दरिद्र दुख टारे,
जग के फन्द छुड़ाये भव सागर तारे ।

हिरण्यकश्यप संहारे नरहरि रूप धरे,
पाहन से प्रभु प्रकटे जन के बीच परे ।

केशी कंस विदारे नल कूबर तारे,
दामोदर छबी सुन्दर भगतन के प्यारे ।

काली नाग नथैया नटवर छबि सोहे,
फन फन करत ही नागन मन मोहे ।

राज्य विभीषण थापे सीता शोक हरे,
द्रुपद सुता पत राखी करुणा लाज भरे ।

विवरण

श्रीकृष्ण भगवान की जय हो । ये श्रीकृष्ण भगवान अपने भक्तों के दुःख को पल में दूर कर देते हैं । यह श्रीकृष्ण भगवान परम आनन्द को देनेवाले एवं मुरली को होठों पे धारण करने वाले तथा मन को मोहने

वाले ये गिरधारी हैं । ऐसे रास रचैया श्रीकृष्ण की जय हो ।

हाथों में सोने की कंगन एवं कानों में सोने के कुण्डल, माथे पे मोर का मुकुट, शरीर पर पीत वर्ण का वस्त्र एवं गले में वन के फूलों से बनी हुई माला शोभित हो रही है, दरिद्र सुदामा के दुःख इन्होंने दूर किये हैं, तथा उन्हें जन्म-मरण के फन्दे से छुटकारा दिलाकर उन्हे मोक्ष प्रदान किये ।

हिरण्यकश्यपु का संहार इन्होने नरसिंह (आधा अंग मनुष्य का आधा अंग सिंह का) रूप लेकर किया । इनकी छवि बहुत ही सुन्दर एवं भक्तों को बड़ी ही प्यारी लगती है । ये काली नाग के नथैया हैं, इनकी छवि अनुपम शोभा बिखेरती है । काली नाग ने जब अपना फन फैलाया तो देखते ही उसका मन मोह लिए । विभीषण को उनका राज्य दिलाए एवं सीता का शोक भी हरने वाले हैं । यह करुणामयी श्रीकृष्ण द्रौपदी के लाज के रक्षक भी हैं, ऐसे श्रीकृष्ण की आरती है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.